11 दिसंबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

विश्व मानवाधिकार दिवस पर बक्सर में न्यायिक पदाधिकारियों का कैंडल मार्च, रैली के माध्यम से फैलाई गई 2

मानवाधिकारों की रक्षा केवल सरकारों का नहीं, नागरिकों का भी साझा कर्तव्य : राष्ट्रपति मुर्मू

- मानवाधिकार अविभाज्य हैं और वे एक न्यायपूर्ण, समान और दयालु समाज की आधारशिला हैं
- एक ऐसा राष्ट्र बनाना जहां हर व्यक्ति स्वतंत्रता, सम्मान और समानता के साथ रह सके

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को आग्रह किया कि मानवाधिकारों की रक्षा करना केवल सरकारों, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग या ऐसे अन्य संस्थानों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि साथी नागरिकों के अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करना एक साझा कर्तव्य है। भारत मंडपम में एनएचआरसी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ये हमें यह याद दिलाने का अवसर है कि सार्वभौमिक मानवाधिकार अविभाज्य हैं और वे एक न्यायपूर्ण, समान और दयालु समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक मानवाधिकार अहस्तांतरणीय हैं और वे न्यायपूर्ण, समतामूलक और दयालु समाज की नींव हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं और वे डर के बिना जीने, बाधाओं के बिना सीखने और शोषण के बिना काम करने के अधिकार को समाहित करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, यह बिल्कुल सही है कि मानवाधिकार सिद्धांतों के प्रति भारत की लगातार प्रतिबद्धता को विश्व स्तर पर मान्यता मिली है। इसका सबूत 2026 में शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत का सातवीं बार निर्विरोध चुनाव है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है। एक ऐसा राष्ट्र बनाना जहां हर व्यक्ति स्वतंत्रता, सम्मान और समानता के साथ रह सके और जहां मानवाधिकारों की न केवल रक्षा की जाए, बल्कि उन्हें मनाया भी जाए।

सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं और उनमें बिना डर के जीने का अधिकार, बिना किसी बाधा के सीखने का अधिकार, बिना शोषण के काम करने का अधिकार और गरिमा के साथ बुढ़ापा बिताने का अधिकार शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने दुनिया को याद दिलाया है कि मानवाधिकारों को विकास से अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा इस शाश्वत सत्य का पालन किया है। न्याय के बिना शांति नहीं है और शांति के बिना न्याय नहीं है। राष्ट्रपति ने एनएचआरसी के नए मोबाइल एप्लिकेशन के लॉन्च पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि यह एप एनएचआरसी की शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सभी के लिए ज्यादा सुलभ बनाएगा। लोग अपनी शिकायतों का स्टेटस भी ट्रैक कर पाएंगे। यह युवा छात्रों को इंटर्नशिप और सीखने के अन्य अवसरों के लिए एनएचआरसी तक पहुंचने में भी मदद करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि एनएचआरसी राज्य और समाज के कुछ आदर्शों को व्यक्त करता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को देशवासियों से अपील की कि मानवाधिकारों की रक्षा करना सिर्फ सरकारों, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग या या ऐसे दूसरे संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि साथी नागरिकों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना साझा कर्तव्य है।

भारत, फ्रांस और यूएई बीच शुरू हुआ एयर ड्रिल

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात इस एयर ड्रिल के लिए भारतीय वायु सेना अपने सुखोई-30एमकेआई और जगुआर लड़ाकू विमानों को तैनात करेगी। इनके साथ आईएल -78 एयर-टैंकर और एयरबोर्न अर्ली-वॉर्निंग एंड कंट्रोल विमान भी शामिल होंगे। यह सभी विमान गुजरात के जामनगर और नलिया एयरबेस से उड़ान भरेंगे। के साथ अरब सागर के ऊपर एक बडा एयर कॉम्बैट अभ्यास करेगा। इसका मकसद हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक इंडो-पैसिफिक में त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना और सैन्य तालमेल बढ़ाना है। फ्रांस और यूएई की ओर से अल-धफरा एयरबेस से राफेल और मिराज लड़ाकू विमान, तथा अन्य सपोर्ट

एयरक्राफ्ट भाग लेंगे। भारत ने 10 और 11 दिसंबर को अभ्यास के लिए निर्धारित क्षेत्र-जो पाकिस्तान के कराची से लगभग 200 नौटिकल मील दूर है-के लिए नोटिस टू एयरमेन जारी किया है। इससे पहले भी तीनों देशों ने दिसंबर 2024 में डेजर्ट नाइट नामक ऐसा एयर कॉम्बैट अभ्यास किया था। भारत क्षेत्र के देशों विशेषकर खाड़ी देशों के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए ऐसे अभ्यास लगातार करता रहा है। इसमें फ्रांस, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे साझेदार भी शामिल होते हैं। एक अधिकारी के अनुसार द्विपक्षीय, त्रिपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों में लड़ाकू कौशल, रणनीति और प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। रोचक बात यह है कि भारत, फ्रांस और यूएई की नौसेनाओं ने जून 2023 में पहला त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास भी किया था, जिसमें परंपरागत और गैर-परंपरागत खतरों से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया था। साल 2022 में विदेश मंत्रियों द्वारा शुरू किए गए त्रिपक्षीय ढांचे के तहत तीनों देश रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और पर्यावरण सहित कई क्षेत्रों में एक महत्वाकांक्षी रोडमैप के अनुसार मिलकर काम कर रहे हैं।

सदन में गृहमंत्री ने लिया कांग्रेस को आड़े हाथों

हम देश में एक भी घुसपैठिए को नहीं रहने देंगे : शाह

- एसआईआर की पॉलिसी है डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा देश में एक भी घुसपैठिए को हम रहने नहीं देंगे। हमारी पॉलिसी है डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चर्चा पर तंज कसते हुए कहा कि मैंने एलओपी का पूरा भाषण सुना, उनका भाषण धागो में उलझ गया। जब मैं मेरा भाषण तैयार कर रहा था। तब मैंने अपने से पूछा कि चुनाव सुधार पर और एसआईआर पर मसला स्पष्ट है तो फिर यह मुद्दा क्यों उठ रहा। असल में मूल मुद्दा है अवैध घुसपैठियों को वोटर लिस्ट में रखने का। उनके इस बयान पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्ष के वॉकआउट करने पर भी तंज कसते हुए कहा कि जब मैंने कांग्रेस के वरिष्ठ लोगों पर बोला तब बाहर नहीं गए। घुसपैठियों की बात कहते ही भाग गए। उन्होंने विपक्ष से कहा कि एसआईआर का विरोध करंगे तो बिहार की तरह बंगाल ओर तमिलनाडू में भी साफ हो जाओगे। उन्होंने यह भी कहा कि मैं राहुल गांधी के भाषण लिखने वालों से कहना चाहता हूं कि सही से लिखे। अमित शाह ने कहा कि वह कहते हैं कि घुसपैठ के लिए भारत सरकार जिम्मेदार है। मैं बताता हूं, असल में घुसपैठ भारत-बांलेदश बॉर्डर से हो रही है। 2216 किलोमीटर 1653 बन चुकी है 563 एक बंगाल में रही है। असम, मेघालय, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात और राजस्थान में फेंसिंग हो गई है, लेकिन पश्चिम बंगाल में 563 किलोमीटर हिस्से में यह नहीं हुई।

पहले नेहरू, फिर इंदिरा और सोनिया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बहस के दौरान कांग्रेस पर वोट चोरी के तीन आरोप लगाए, जिससे कांग्रेस सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई। शाह ने पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का नाम लिया और सोनिया गांधी से जुड़े एक मामले का भी जिक्र किया, जिसमें मतदाता रजिस्ट्रेशन पर सवाल उठाया गया था। कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और संसद में हंगामा शुरू कर दिया। शाह ने कहा कि वोट चोरी के तीन उदाहरण हैं। पहला, जब जवाहरलाल नेहरू ने देश के पहले प्रधानमंत्री को चुनने के लिए सरदार पटेल के सामने वोट हारने के बावजूद प्रधानमंत्री बने। दूसरा, जब 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी के रायबरेली से चुनाव को रद्द कर दिया था और इसे ढकने के लिए उन्होंने संसद में एक विधेयक पेश किया ताकि प्रधानमंत्रियों को छूट मिल सके कि प्रधानमंत्रियों के खिलाफ कोई मामला नहीं चलाया जा सकता। तीसरा, जब आप पात्र नहीं होते, तब भी आप मतदाता बन जाते हैं। कुछ समय पहले, दिल्ली की एक अदालत में एक मामला सामने आया था, जिसमें विवाद यह है कि सोनिया गांधी देश की नागरिक बनने से पहले ही मतदाता बन गई थीं। एसआईआर के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एसआईआर पर एक तरफा झूठ फैला रही है। जिस पर आज वो संसद से जवाब देंगे। अमित शाह ने कहा कि क्या कोई भी देश का लोकतंत्र सुरिक्षत रह सकता है, जब देश का प्रधानमंत्री और राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा ये घुसपैठिये तय करें। नहीं ऐसा नहीं हो सकता। मेरा मानना है कि इससे कुछ पार्टियों के राजनीतिक लक्ष्यों को नुकसान होगा। मुझे उन पार्टियों से हमदर्दी है, देश के वोटर उन्हें वोट नहीं देते, कुछ घुसपैठिए उन्हें वोट देते थे और अब वे भी चले जाएंगे।

वाराणसी में कफ सिरप तस्करी का पदार्फाश, हजारों शीशियां बरामद

एजेंसी/नई दिल्ली

कोडिन युक्त नशीले कफ सिरप इन दिनों चर्चा में है अब तस्करी और अवैध भंडारण के मामले में इन दिनों यूपी एसटीएफ और एसआईटी तेजी से कार्रवाई कर रही है फरार चल कोडिन सिरप के सप्लायर शुभम जायसवाल की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है इन सब के बीच मंगलवार को वाराणसी में हजारों शीशी कफ सिरप खुफिया गोदाम से बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार, एसआईटी टीम को सूचना मिली थी कि करीबियों के नेटवर्क के जरिए चल रहा यह गोदाम तीन महीने पहले किराए पर लिया गया था। राहुल नाम का युवक इस जगह को किराए पर लेकर यहां झोले का कारोबार दिखाया था, जबकि कमरे को हमेशा बंद रखा जाता था। मौके पर पहुंची टीम ने अंदर से लगभग 30 हजार शीशियां बरामद कीं, जिनकी टप्फ्छ 211 रुपये प्रति बोतल के हिसाब से कुल कीमत करीब 63 लाख रुपये आंकी गई है। जांच में सामने आया कि यह गोदाम कफ सिरप तस्करी के सरगना शुभम जायसवाल के नेटवर्क से जुड़ा है। बरामद माल उसी खेप का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे कुछ दिन पहले रोहनिया के एक जिम से भी पकड़ा गया था। एसआईटी की प्राथमिक जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस गोदाम का संचालन मनोज कुमार यादव के स्टैंड से होता था, जो औसानगंज का रहने वाला बताया जा रहा है। मनोज, शुभम जायसवाल का करीबी बताया जा रहा है।

यात्रियों के रिफंड के बाद बड़े एयरपोर्ट के भी चुकाने होंगे रुपये

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इन दिनों अपने इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। रोजाना करीब 2300 उड़ानें संचालित करने वाली और घरेलू बाजार में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इस कंपनी का मार्केट कैप मौजूदा संकट के कारण लगभग 21,000 करोड़ रुपये तक गिर चुका है। नौवें दिन भी यात्रियों की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई जैसे देश के तीन प्रमुख एयरपोर्ट्स पर इंडिगो की उड़ानों के लगातार रद्द होने और देरी से पहुंचने के कारण लोगों की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। इस बीच इंडिगो की मुसीबत ओर बढ़ने जा रही है। क्योंकि पिछले हफ्ते इंडिगो ने देशभर में करीब 4,500 उड़ानें असामान्य रूप से रद्द कर दी थीं। इससे एयरपोर्ट ऑपरेटरों को भी नुकसान हुआ हैं। ऐसे में अब ऑपरेटर अपने नुकसान का आकलन कर रहे है। इसी आधार पर निजी हवाई अड्डा संचालक अब इंडिगो से मुआवजा मांगने पर विचार कर रहे है। वहीं अब तक इंडिगो यात्रियों का 610 करोड़ से ज्यादा का रिफंड प्रोसेस कर चुका है। अब तक तीन हजार बैग भी वापस पहुंचा चुका हैं। एक बड़ी निजी हवाई अड्डा संचालक कंपनी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने की वजह से एयरपोर्ट को भी नुकसान हुआ हैं। इसी नुकसान की भरपाई के लिए हम इंडिगो से मुआवजे के लिए चर्चा कर रहे है। लेकिन अभी मामला थोड़ा संवेदनशील है। एयरलाइन के साथ भी हमारे रिश्ते कामकाजी है इसलिए हम स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे है। जब उड़ानें पूरी तरह बहाल हो जाएंगी और ऑपरेशन स्थिर हो जाएगा, तब ही हम इस पर अंतिम फैसला लेकर कंपनी से चर्चा करेंगे।

2022 में केंद्र की मंजूरी के बाद एनडीए के माध्यम से महिलाओं की भर्ती शुरू हुई

वायुसेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन देने में कोई भेदभाव नहीं

- 2019 से अब तक 243 पुरुष और 177 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया जा चुका है

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया कि भारतीय वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं हुआ है। सरकार ने बताया कि 2019 से अब तक 243 पुरुष और 177 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया जा चुका है।मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भूयान और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने महिलाओं की ओर से दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर ली, जिनमें स्थायी कमीशन न मिलने पर आपत्ति जताई गई थी। कोर्ट अब अपना फैसला सुरक्षित रख चुका है।सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि 2022 में केंद्र की मंजूरी के बाद एनडीए के माध्यम से महिलाओं की भर्ती शुरू हुई और प्रशिक्षण पूरा होने पर उन्हें सीधे स्थायी कमीशन दिया जाएगा। भाटी ने बताया कि जिन महिला अधिकारियों ने भेदभाव का आरोप लगाया है, उन्हें 2019 की एचआर नीति के तहत तीन बार मौका दिया गया, लेकिन वे न्यूनतम प्रदर्शन मानक पर खरा नहीं उतरीं या उपलब्ध सीटों के मुताबिक मेरिट में नहीं आ सकीं। उन्होंने कहा कि सीमित वैकेंसी के कारण सभी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देना संभव नहीं है।

महिलाओं को बराबरी का मौका नहीं मिला'

महिला अधिकारियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मानेका गुरुस्वामी ने कहा कि एचआर नीति में बदलाव के कारण कई महिलाओं को स्थायी कमीशन से वंचित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गर्भावस्था या मातृत्व अवकाश पर होने के कारण भी कुछ महिलाओं के मामलों की समीक्षा सही तरीके से नहीं हुई, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। गुरुस्वामी ने कहा कि महिलाओं को पुरुष अधिकारियों जितना समान अवसर नहीं दिया गया।सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि एसएससी महिला अधिकारी किसी भी भूमिका में हों (जमीन पर या हवा में) देश उनकी सेवाओं पर गर्व करता है। उन्होंने यह भी कहा कि एसएससी अधिकारियों में अनिश्चितता लंबे समय के लिए ठीक नहीं, लेकिन न्यूनतम मानकों पर कोई समझौता नहीं हो सकता।

बाईपास निर्माण में भू-अधिग्रहण और आरओबी पर अटकी फाइलें, विधायक ने दिया आश्वासन

- प्रधान सचिव व उपमुख्यमंत्री से मिले विधायक राहुल सिंह, डीएम को मिला त्वरित समाधान का निर्देश, वर्षों से लटकी है बाईपास निर्माण की योजना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में वर्षों से अधर में लटकी बाईपास परियोजना एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार उम्मीदों के साथ। नवनिर्वाचित विधायक राहुल कुमार सिंह ने बुधवार की सुबह परियोजना की मौजूदा स्थिति पर महत्वपूर्ण अपडेट देते हुए स्पष्ट किया कि बाईपास का काम राजनीतिक व प्रशासनिक उदासीनता में नहीं, बल्कि दो प्रमुख तकनीकी अड़चनों में फंसा है–भू-अधिग्रहण और रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की स्वीकृति।

विधायक ने बताया कि वे इस मुद्दे को लेकर सीधे प्रधान सचिव से मिले हैं, जहां परियोजना की प्रगति को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी जिले के दौरे के दौरान इस गंभीर समस्या से अवगत कराया गया। उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि डुमरांव बाईपास को अब प्राथमिकता वाले कामों में शामिल कर दिया गया है, और अटके हुए दोनों बिंदुओं पर जल्द कार्रवाई देखने को मिलेगी।

राहुल सिंह के अनुसार, बाईपास का सबसे बड़ा पेंच किसानों की जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया में उत्पन्न विवाद है, जो लंबे समय से समाधान की प्रतीक्षा में है। दूसरी ओर, रेलवे लाइन के ऊपर प्रस्तावित ओवरब्रिज के तकनीकी डिजाइन व स्वीकृति को लेकर मामला अटका हुआ है। इन दोनों मोर्चों पर दिक्कतें दूर करने के लिए विधायक ने उप मुख्यमंत्री और प्रधान सचिव को विस्तृत ज्ञापन सौंपा था। उच्चस्तरीय बैठकों के बाद जिम्मेदार अधिकारियों ने जिले के डीएम को इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने और आवश्यक कार्यवाही तेज करने का निर्देश दिया है। विधायक का दावा है कि अब बाईपास परियोजना फाइलों में नहीं, जमीन पर आगे बढ़ती दिखेगी। उन्होंने कहा कि अब प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता बढ़ी है और उम्मीद है कि डुमरांव के लोगों को जल्द ही एक बड़ी राहत मिलेगी।

डुमरांव शहर के विकास में बाईपास महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे न केवल यातायात व्यवस्थित होगा, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों का दबाव कम होगा और शहर के भीतर सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी। वर्षों से इंतजार कर रहे लोगों को अब इस परियोजना से वास्तविक उम्मीद बंधी है कि लंबे समय से जमी धूल अब हटेगी और बाईपास का निर्माण नए सिरे से गति पकड़ेगा।

व्यवहार न्यायालय से अम्बेडकर चौक तक निकला शांतिपूर्ण मार्च, जेलों में भी आयोजित हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम

विश्व मानवाधिकार दिवस पर बक्सर में न्यायिक पदाधिकारियों का कैंडल मार्च, रैली के माध्यम से फैलाई गई जागरूकता

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर बुधवार को बक्सर में विभिन्न न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा न्यायिक कर्मियों ने कैंडल मार्च निकालकर मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मार्च व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित भवन–विधिक सेवा सदन से प्रारंभ होकर चीनी मिल रोड, स्टेशन रोड होते हुए अंबेडकर चौक तक पहुंचा।

मार्च की अगुवाई कर रहे हर्षित सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बक्सर ने इस वर्ष की थीम ह्लहमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएंह्व का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि यह थीम इस बात पर चिंतन का आह्वान करती है कि मानवाधिकार केवल सिद्धांत नहीं बल्कि हर नागरिक के दैनिक जीवन से जुड़े मूल तत्व हैं। ये अधिकार किसी भी तरह की नफरत, गलत सूचना और झूठ के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों के लिए वैश्विक जागरूकता और सक्रियता को पुनर्जीवित करने की जरूरत पर बल दिया है।

मानवाधिकार दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इसकी औपचारिक स्थापना वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। 10 दिसंबर 1948 को मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) अपनाई गई थी, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर मानव गरिमा की रक्षा और अत्याचारों की पुनरावृत्ति रोकना था। तभी से हर वर्ष यह दिन भेदभाव, असमानता और उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष को याद करने तथा समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुक्त कारागार बक्सर और केंद्रीय कारा मंडल बक्सर में भी विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। केंद्रीय कारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर नेहा दयाल ने मानवाधिकार दिवस की स्थापना, उद्देश्य और वैश्विक महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बंदियों को बताया कि मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा संयुक्त राष्ट्र की पहली ऐतिहासिक उपलब्धियों में से एक है, जिसका उद्देश्य हर व्यक्ति को न्याय, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि 4 दिसंबर 1950 को महासभा की 317वीं बैठक में प्रस्ताव 423 (श) पारित कर सदस्य देशों, संस्थाओं और संगठनों को इस दिवस को मनाने के लिए आमंत्रित किया गया था। आज मानवाधिकार दिवस उच्च स्तरीय सम्मेलन, सांस्कृतिक आयोजन, प्रदर्शनियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है। इसी अवसर पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार पुरस्कार और नोबेल शांति पुरस्कार भी दिए जाते हैं।

बक्सर में निकाले गए कैंडल मार्च में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े अनेक न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता और अन्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रमुख उपस्थितियों में प्रधान न्यायाधीश–कुटुंब न्यायालय मनोज कुमार द्वितीय, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार शुक्ला, सुदेश कुमार श्रीवास्तव, संजीत कुमार सिंह, अपर न्यायिक दंडाधिकारी भोला सिंह, व्यवहार न्यायालय प्रभारी प्रशासन राजीव श्रीवास्तव, वरीय लिपिक संजय कुमार, नाजिर संतोष द्विवेदी समेत अनेक न्यायालय कर्मचारी शामिल थे। इसके अलावा जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य, पैनल अधिवक्ता, विधि सेवक, स्थानीय नागरिक तथा स्कूली बच्चों ने भी रैली में भाग लेकर मानवाधिकारों के समर्थन में एकजुटता दिखाई।

कैंडल मार्च के माध्यम से न्यायिक प्राधिकार ने जनता को यह संदेश दिया कि मानवाधिकार केवल कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि जीवन के आवश्यक आधार हैं, जिनकी रक्षा एवं सम्मान हर व्यक्ति और समाज की जिम्मेदारी है।

220 ग्राम गांजा संग तस्कर गिरफ्तार पुलिस का जीरो टॉलरेंस अभियान तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानासराय थाना पुलिस ने नशा माफियाओं पर नकेल कसते हुए बुधवार की सुबह बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। थाना क्षेत्र में बढ़ती मादक पदार्थों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने इस बार सीधे तस्करों के ठिकाने पर धावा बोला और 220 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई सुबह 7 बजे की गई। पुलिस को पहले से गुप्त सूचना मिली थी कि मठिला निवासी मंजय यादव पिता–रामाशीष यादव लंबे समय से घर और दुकान से गांजा की अवैध बिक्री करता है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई और बिना समय गंवाए तस्कर के घर और दुकान पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान 220 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद आरोपी को वहीं से दबोच लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि तस्कर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। उन्होंने साफ कहा कि नशे का धंधा करने वालों के खिलाफ कोरानासराय थाना पूरी तरह सख्त है और ऐसे अपराधों के लिए किसी भी स्तर पर कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि नशा तस्करी सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि समाज की जड़ें खोखली करने वाला अपराध है। अगर किसी को कहीं भी नशा कारोबार की भनक लगे, तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने क्षेत्र में नशा कारोबार को लेकर भय का माहौल पैदा कर दिया है और यह संदेश भी साफ हो गया है कि अब अवैध नशे के खिलाफ पुलिस का ह्लजीरो टॉलरेंसह्व अभियान और ज्यादा तेज होने वाला है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मंगराव में किसान की झोपड़ी में लगी आग, दो गायें झुलसीं

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के मँगराव गांव में बुधवार की देर रात घटी एक घटना ने पूरे ग्रामीण इलाके को दहला दिया। पशुपालक किसान कमलेश राम के झोपड़ीनुमा घर में अचानक आग लगने से दो दुधारू गायें गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के समय किसान अपने पशुओं को चारा खिलाकर घर लौट चुके थे, और आसपास सन्नाटा पसरा हुआ था। इसी बीच अज्ञात शरारती तत्वों ने मौका पाकर उनकी झोपड़ी को आग के हवाले कर दिया। घटना इतनी शांत जगह पर हुई कि शुरूआती क्षणों में किसी को भनक तक नहीं लगी। कुछ देर बाद जब आग की लपटें तेजी से आसमान की ओर उठने लगीं, तो पास से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी। ग्रामीणों ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया और तत्परता दिखाते हुए पास के समर्सिबल पंप को चलाकर आग बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक झोपड़ी पूरी तरह जल चुकी थी और भीतर बंधी दोनों गायें गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। घटना की जानकारी मिलते ही पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मेडिकल टीम ने तुरंत दोनों गायों की जांच कर आवश्यक दवाइयाँ प्रदान कीं। साथ ही किसान को पशुओं की विशेष देखभाल और उपचार संबंधी जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। ग्रामीणों का कहना है कि यह आग सामान्य नहीं लगती, बल्कि किसी शरारती तत्व की करतूत प्रतीत होती है। घटना से किसान कमलेश राम को भारी आर्थिक क्षति हुई है। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो सके।

बक्सर में 12 दिसंबर को रोजगार मेला, ओडिशा की नामी कंपनी करेगी ऑन स्पॉट चयन

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर आने वाला है। जिला नियोजनालय, बक्सर द्वारा 12 दिसंबर को एक दिवसीय रोजगार शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ओडिशा स्थित टाटा स्टील के संयुक्त उपक्रम ओडिसी स्कैफोलर प्राइवेट लिमिटेड युवाओं का चयन करेगी। यह रोजगार शिविर आईटीआई, बक्सर स्थित जिला नियोजनालय परिसर में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चलेगा। कंपनी द्वारा दो प्रकार के पदों पर बड़ी संख्या में नियुक्ति की जाएगी। पहला पद पर्यवेक्षक का है, जिसके लिए 35 रिक्तियां निर्धारित की गई हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 25 हजार रुपये तथा वार्षिक 35 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उम्र सीमा 22 से 40 वर्ष रखी गई है तथा योग्यता न्यूनतम स्नातक पास होनी चाहिए। इस पद पर केवल पुरुष अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा, साथ ही आवास एवं भोजन की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाएगी। दूसरा पद स्कैफोल्डर का है, जिसके लिए 60 रिक्तियां हैं। इस पद के लिए 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 8वीं, 12वीं अथवा उससे ऊपर की योग्यता वाले पुरुष आवेदन कर सकते हैं। वेतन 21 हजार रुपये प्रतिमाह तथा 35 हजार रुपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि निर्धारित है। इस श्रेणी में भी आवास व भोजन की पूरी सुविधा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि कंपनी अभ्यर्थियों की योग्यता के अनुसार स्थल पर ही चयन करेगी। इस प्रक्रिया में नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा, नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों की जिम्मेदारी कंपनी की होगी।रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए नियोजनालय में पंजीकरण अनिवार्य है। जो युवक अब तक पंजीकृत नहीं हैं वे राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं या जिला नियोजनालय कार्यालय से भी सहायता ले सकते हैं। शिविर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

भरौली गोलंबर पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अर्टिगा से देशी कट्टा बरामद, तीन गिरफ्तार, दो फरार

बक्सर। बक्सर पुलिस ने मंगलवार की देर रात एक हाई–प्रोफाइल ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की। गश्ती के दौरान मिली गुप्त सूचना पर भरौली गोलंबर के पास सफेद रंग की संदिग्ध एर्टिगा कार (बीआर 01 एचके 9819) को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन पुलिस को देखते ही वाहन सवार भागने लगे। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने तीन लोगों को मौके पर ही दबोच लिया, जबकि दो आरोपित अंधेरे और भीड़ का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे।

महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय में मानवाधिकार दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम

- भेदभाव मिटाने और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया

केटी न्यूज/डुमरांव

अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के अवसर पर बुधवार को प्लस टू महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। यह आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष हर्षित सिंह तथा अवर न्यायाधीश सह सचिव नेहा दयाल के मार्गदर्शन में पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव और पीएलवी अनिशा भारती द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सचिन्द्र कुमार तिवारी एवं मंच संचालन सुनील कुमार ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पैनल अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि दुनिया भर में 10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी थीम "मानव अधिकारः हमारी रोजमर्रा की जरूरतें" रखी गई है, जो यह संदेश देती है कि सुरक्षा, भोजन, आवास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे अधिकार केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन की बुनियाद हैं। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर 1948 को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा स्वीकृत की गई तथा 1950 से यह दिवस विश्व स्तर पर मनाया जाने लगा। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के बिना एक स्वस्थ समाज व मजबूत राष्ट्र की कल्पना तक नहीं की जा सकती।

प्राचार्य सचिन्द्र तिवारी ने कहा कि मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति के मूल, नैसर्गिक और अविच्छेद्य अधिकार हैं, जिन्हें नस्ल, जाति, धर्म, राष्ट्रीयता या लिंग के आधार पर छीना नहीं जा सकता। भारत में मानवाधिकार संरक्षण कानून 28 सितंबर 1993 से लागू है, जिसके बाद 12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना की गई। उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाने का संकल्प भी दिलाया।

पीएलवी अनिशा भारती ने कहा कि मानवाधिकार दिवस हमें समानता, सम्मान और भेदभाव-मुक्त जीवन का संदेश देता है। यह दिन समाज के उन वंचित वर्गों की याद दिलाता है जिन्हें अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपने अधिकारों के लिए जागरूक होना चाहिए, बल्कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

किसानों को बिजली की अपेक्षा डीजल से सिंचाई करना 10 गुना है सस्ता : ई. ब्रवीम

केटी न्यूज/ बिक्रमगंज

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की यह योजना न केवल किसानों को डीजल पंपों के महंगे और प्रदूषणकारी विकल्प से छुटकारा दिला रही है, बल्कि कृषि उत्पादन और उनकी आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा दे रही है। पहले किसानों को सिंचाई के लिए डीजल आधारित पंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। डीजल की बढ़ती कीमतें और पंपों के रखरखाव का खर्च किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती थी इसके अलावा, डीजल पंपों से होने वाला प्रदूषण पर्यावरण के लिए भी हानिकारक था लेकिन मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना और बिजली की उपलब्धता की फसल सिंचाई की लागत करीब 98 फीसदी तक कमी आयी है। किसानों को बिजली से चलने वाले मोटर पंप से सिंचाई करने की लागत घटकर मात्र दो रुपए प्रति घंटे रह गई है, जिससे वे खुशहाल हो रहे हैं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार इस योजना के लाभुकों को प्रति यूनिट 6 रुपए 19 पैसे का अनुदान दे रही है। किसानों का कहना है कि बिजली से चलने वाले दो हॉर्स पावर के मोटर पंप के संचालन के प्रति घंटे मात्र 3-4 यूनिट बिजली की खपत होती है, जो काफी किफायती है। इस योजना के लागू होने से पहले जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल, केरोसिन) आधारित मोटर पंप से फसलों की सिंचाई करने में प्रति घंटे करीब 100 रुपये तक की लागत आती थी लेकिन अब मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना के तहत कनेक्शन लेने के बाद किसानों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध हो रही है। मुख्यमंत्री विद्युत सहायता योजना के तहत बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा पटवन कार्य की दर 6.74 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। राज्य सरकार द्वारा इस हेतु 6.19 प्रति यूनिट की दर से अनुदान दिया जा रहा है। कृषि कनेक्शन पर राज्य सरकार द्वारा मिलने वाले अनुदान के कारण किसानों को पटवन कार्य के लिए बिजली केवल 55 पैसे प्रति यूनिट पर उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को सिंचाई के लिए निःशुल्क कृषि विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। कृषक कृषि कार्य हेतु नया विद्युत कनेक्शन लेने के लिए सुविधा ऐप, वितरण कम्पनी के पोर्टल तथा स्थानीय विद्युत कार्यालयों में आवेदन दे सकते हैं एवं आवेदन करते समय पहचान पत्र एवं आवासीय पहचान पत्र के लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड तथा जमीन से जुड़े कागज (खेसरा) समर्पित करें।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा

बिहार में बंद होगा गुंडा बैंक, टेक्नोलॉजी से अपराध और अपराधियों पर लगेगा लगाम

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में चल रहे गुंडा बैंक के अवैध कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सूद पर पैसा देकर मनमाना ब्याज वसूलने और लोगों को जमीन गिरवी रखने के लिए मजबूर करने वाले इस अवैध व्यवस्था को बंद करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में अब आरबीआई द्वारा अधिकृत बैंक ही चलेंगे। गुंडा बैंक की कोई जगह नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अक आधारित कैमरे लगाने की भी बात कही। सम्राट चौधरी ने बताया कि बिहार की सुरक्षा व्यवस्था को

अत्याधुनिक बनाने के लिए बड़े पैमाने पर अकआधारित कैमरे लगाए जाएंगे। बिहार सभी जेलों में 10 हजार से अधिक कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। रेलवे जंक्शनों, शहरों, चौक-चौराहों और शहरों और पंचायत क्षेत्रों के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर अनिवार्य रूप से कैमरे स्थापित किए जाएंगे। पटना के सरदार पटेल भवन में आशु सहायक अवर निरीक्षक को नियुक्ति पत्र बांटने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2005 से सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया निरंतर पारदर्शी तरीके से चल रही है। 2005 से 2020 तक 7.5 लाख से अधिक नियुक्तियां हुईं। पिछले पांच वर्षों में 11.5 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय द्वारा आशु सहायक अवर निरीक्षक को नियुक्ति पत्र दिए गए। उपमुख्यमंत्री ने सभी चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि वे निष्ठा, लगन और ईमानदारी से नागरिकों की सेवा करेंगे। बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों की नियुक्ति को उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बिहार पुलिस के सभी पदों की स्वीकृत संख्या 2,29,651 है। इस वर्ष 21,391 सिपाहियों की नियुक्ति कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 19,838 सिपाही पदों हेतु लिखित परीक्षा हो चुकी है, शारीरिक परीक्षा इसी माह शुरू होगी और चयन मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। अवर निरीक्षक कोटि के 1218 पदाधिकारियों का प्रशिक्षण राजगीर अकादमी में पूरा होने वाला है। अवर निरीक्षक के 1799 पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन प्रकाशित है। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित पुलिस उपाधीक्षक के 19 पदाधिकारियों का प्रशिक्षण जारी है। चालक सिपाही के 4300 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा आयोजित की गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन को और मजबूती से लागू किया जाएगा। टेक्नोलॉजी आधारित कानून व्यवस्था को जमीन पर उतारना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिलों के सभी एसपी नियमित रूप से थानों में जनता दरबार लगाएं तथा जघन्य मामलों का स्पीडी ट्रायल सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बिहार में किसी भी स्तर के माफिया को बख्शा नहीं जाएगा। नई नियुक्त उम्मीदवारों से सम्राट चौधरी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है वो महत्वपूर्ण और गोपनीय प्रकृति की है। उनसे निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ काम करने की उम्मीद है।

बिहार शिक्षा विभाग का सख्त फैसला

बिहार में 195 हेडमास्टर और 585 शिक्षकों की सैलरी रोकने का आदेश

एजेंसी। पटना

बिहार के रोहतास जिले में ढइछ (प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा) कोर्स समय पर शुरू नहीं करने वाले 195 प्रधानाध्यापक और 585 शिक्षकों का वेतन रोक दिया गया है। शिक्षा विभाग ने इन शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। यह कार्रवाई शिक्षा में सुधार लाने और ढइछ कोर्स को लागू करने के उद्देश्य से की गई है। जिले के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों के लिए ढइछ टक्ष्ठ 3.7 (प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग - माइक्रो इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट) की पढ़ाई 5 दिसंबर तक शुरू करनी थी। मुख्य जिम्मेदारी विज्ञान और गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को दी गई थी। उनकी कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। लेकिन बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद, तिलौथू और नौहट्टा को छोड़कर जिले के अन्य 195 विद्यालयों में ढइछ कोर्स शुरू नहीं

किया गया, जो विभागीय निर्देशों का उल्लंघन है। डीपीओ सर्व शिक्षा रोहित रौशन ने बताया कि इस मामले में संबंधित प्रधानाध्यापक और शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनके अगले आदेश तक वेतन भुगतान पर रोक लगाई गई है। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो अन्य अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। सासाराम झ 17 विद्यालय, सूर्यपुरा झ 1, शिवसागर झ 10, संझौली झ 6, रोहतास झ 2, राजपुर झ 12, नोखाझ 10, नासरीगंज झ 1, कोचस झ 10, करगहर झ 7, काराकाट झ 10, दिनारा झ 5, डेहरी झ 1, दावथ झ 8, चेनारी झ 8, बिक्रमगंज झ 2 और अकोढ़ीगोला झ 5 स्कूलों में हेडमास्टर और शिक्षकों का वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। इस आदेश के बाद जिले के शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

बुनियाद केन्द्र में दिव्यांगजन सशक्तिकरण को लेकर शिविर का आयोजन, 49 को मिला लाभ

केटी न्यूज। रोहतास

प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित बुनियाद केन्द्र में बुधवार को मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र 'संबल' योजना के अंतर्गत बैट्री चालित ट्राईसाईकिल एवं सहायक उपकरण व कृत्रिम अंग के आवेदन प्राप्त करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक किया गया। इस दौरान चिकित्सकीय टीम में पीएचसी प्रभारी डॉ. सौरभ कुमार निराला, डॉ. संजय सिंहा, सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट गौरव कुमार, केयर गिवर जुली कुमारी एवं ऑडियो टेक्नीशियन राजमणि चौधरी मौजूद रहे।

पीएचसी प्रभारी ने बताया: पीएचसी प्रभारी ने बताया कि मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण को लेकर बुनियाद केन्द्र में एकदिवसीय जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 30 दिव्यांगजनों ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र हेतु आवेदन दिया, जिसकी जांच चिकित्सकीय टीम द्वारा किया गया। वहीं सुनने की समस्या से परेशान

लोगों की जांच की गई। साथ ही 12 कृत्रिम अंग के लिए से आवेदन प्राप्त हुआ है एवं 7 लोगों ने बैट्री चलित ट्राईसाइकिल हेतु आवेदन प्राप्त हुआ।

शिविर 49 लोगों को मिला लाभ : इस शिविर में कुल 49 लोगों को लाभ मिला, जिनमें दिव्यांगता प्रमाण पत्र हेतु आवेदन देने वाले 30 दिव्यांगजन, सुनने की समस्या से परेशान लोग, कृत्रिम अंग के लिए आवेदन देने वाले 12 लोग एवं बैट्री चलित ट्राईसाइकिल हेतु आवेदन देने वाले 7 लोग शामिल हैं।

संबल योजना का उद्देश्य : मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र 'संबल' योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करना है। इस योजना के तहत दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राईसाइकिल, कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए जाते हैं।

शिविर का आयोजन : बुनियाद केन्द्र में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को संबल योजना का लाभ प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस शिविर में चिकित्सकीय टीम ने दिव्यांगजनों की जांच की और उनके आवेदन पत्रों को स्वीकार किया।

एक नजर

राष्ट्रीय लोक अदालत अंतर्गत 1734 वादों में 7097 पक्षकारों को भेजा गया नोटिस

बिक्रमगंज। व्यवहार न्यायालय परिसर बिक्रमगंज में 13 दिसंबर 2025 को इस वर्ष का अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में वादों को सुलझाए जाने की संभावना की कड़ी में समीक्षा बैठक की गई एवं पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है। जानकारी अनुसार विधिक सेवा प्राधिकार रोहतास के निर्देश पर व्यवहार न्यायालय परिसर बिक्रमगंज में 13 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिसमें सुलहनीय वादों को आपसी सहमति के आधार पर तत्क्षण मुकदमे का निपटारा किया जाता है। जिससे पक्षकारों को समय एवं कीमत की बचत के साथ-साथ मानसिक शांति प्राप्त होती है। न्यायालय में लंबित पड़े मुकदमों की संख्या में भारी कमी आती है। व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज के चिन्हित 6 क्रिमिनल कोर्ट से 1734 वादों में कल 7097 पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है। बैंकों से संबंधित करीब 7600 नोटिस निर्गत किया गया है। नीलम पत्र वाद की धारा 7 का नोटिस निबंधित डाक के माध्यम से 215 लोगों को भेजा गया है। एसडीएम बिक्रमगंज प्रभात कुमार के पत्र के अनुसार थानाध्यक्ष बिक्रमगंज के यहां 585 जिसमें 7 गिरफ्तारी वारन्ट का इजराय कराया गया है। थानाध्यक्ष दिनारा के यहां 476 जिसमें 3 गिरफ्तारी वारन्ट इजराय कराया गया। थानाध्यक्ष काराकाट के यहां 262 जिसमें 2 वारंट का इजराय कराया गया। थानाध्यक्ष नटवार के 279 जिसमें 2 का इजराय कराया गया। थानाध्यक्ष सुर्यपूरा के यहां 76, थानाध्यक्ष राजपुर के यहां 53, थानाध्यक्ष कच्छवा के यहां 185, थानाध्यक्ष, दावथ के यहाँ 294, थानाध्यक्ष बघैला के यहां 112, वारन्ट का इजराय कराना लंबित है। समझौता हेतु अभी तक एक भी देनदार उपस्थित नहीं हुए है।

अनुमंडल क्षेत्र में आठ माह में 86 बाइक हुई चोरी, अबतक 12 बाइक बरामद

बिक्रमगंज। अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पिछले आठ माह में 86 बाइक चोरी की घटनाएं हुई है। वहीं पुलिस को चोरी की 12 बाइक बरामद करने में सफलता मिली है। सहायक पुलिस अधीक्षक सह बिक्रमगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत

कुमार ने दावा किया है कि बाइक चोरी की घटना में कमी आई है। अब चोरी की बाइक बरामद होने पर न सिर्फ जिसके पास से बाइक बरामद हुई बल्कि जिसने बाइक चोरी कर बिक्री किया वहां तक पुलिस पहुंचती है और इस चैनल में चोरी से लेकर बिक्री तक जो भी लोग जुड़े होते हैं उन सभी लोगों पर कार्रवाई होती है। इससे बाइक चोर रडार पर तो होते ही हैं और पुलिस उनके धरपकड़ के लिए प्रयासरत रहती है साथ ही बाइक चोरी की अपराध में कमी आती है। एएसपी ने बताया कि बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में अप्रैल में 16, मई में 11, जून में 8, जुलाई में 19, अगस्त में 10, सितंबर में 13, अक्टूबर में 5, नवंबर में 4 बाइक चोरी विभिन्न थाना क्षेत्र में हुई जबकिं दिसंबर माह में अभी तक बाइक चोरी की घटना नहीं हुई है। वहीं पुलिस ने अप्रैल में 2, मई में 3, जून में 1, जुलाई में 1, अगस्त में 0, सितंबर में 2, अक्टूबर में 2, नवंबर में 0 और दिसंबर में अब तक एक बाइक बरामद की है। सहायक पुलिस अधीक्षक ने दावा किया है कि बाइक चोरी की घटना में कमी आई है और ऐसी घटना पर लगाम लगाने के लिए पुलिस प्रयासरत है।

अक्षर आंचल योजना का महा परीक्षा संपन्न

काराकाट । थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामपंचायत चिकसील के मध्य विद्यालय चिकसिल में अक्षर आंचल योजना के तहत महापरीक्षा लिया गया। जिसमें 232 महिलाओं ने भाग लिया। जिसको लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। वही साक्षरता को लेकर शिक्षा सेवक की सक्रियता से महिलाओं के उत्साह को देखते हुए इसे महापर्व के रूप में ही मनाया गया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मनोज राम, विक्रमा राम,लालजी चौधरी,विंध्याचल चौधरी,राजेंद्र चौधरी,और आरिफ हुसैन उपस्थित रहे।

एससी एसटी एक्ट के आरोपी को जेल

काराकाट । थाना क्षेत्र के कर्मा गांव से एससी एसटी के एक आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । गिरफ्तार आरोपी कर्मा गांव निवासी मनु सिंह उर्फ अभिषेक सिंह पिता गोरेलाल सिंह उर्फ संतोष सिंह बताया जाता है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि कांड संख्या 51/2017 के तहत एससी एसटी के तहत प्राथमिकी दर्ज था । थानाध्यक्ष ने बताया कि नौ वर्ष से आरोपी फरार चल रहा था । गुप्त सूचना पर कर्मा गांव में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया ।

पुलिस ने शराब के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

काराकाट । थाना क्षेत्र में पुलिस ने महुआ शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि शराब सेवन और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को ढाई लीटर महुआ शराब के साथ योगेंद्र नट के पुत्र शिवा जी नट को गिरफ्तार किया गया है। शिवाजी नट शहरी गांव का निवासी है। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस लगातार छापामारी कर रही है और शराब सेवन व बिक्री पर पूरी तरह से लगाम लगाएगी। गुप्त सूचना के आधार पर आगामी दिनों में क्षेत्र के कई स्थानों पर छापेमारी की जाएगी ताकि अवैध शराब की खरीद-फरोख्त को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

जीपीओ और स्टेशन गोलंबर पर ऑटो-ई-रिक्शा की मनमानी से ट्रैफिक जाम

एजेंसी। पटना

पटना जंक्शन, जीपीओ गोलंबर और स्टेशन गोलंबर के आसपास इन दिनों ऑटो, ई-रिक्शा और बस चालकों की मनमानी के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सड़कों पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया है क्योंकि चालक बीच सड़क पर ही सवारी चढ़ाने-उतारने लगते हैं। इससे उनके पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और ट्रैफिक पुलिस को बार-बार दौड़कर इन्हें हटाना पड़ता है। पुलिस जैसे ही एक वाहन को आगे बढ़ाती है, तुरंत दूसरा ऑटो या ई-रिक्शा सड़क के बीचोंबीच खड़ा होकर सवारी उठाने लगता है। सबसे गंभीर स्थिति पाल होटल के सामने दिखाई देती है। यहां गोरियाटोली की ओर से आने वाले ऑटो और ई-रिक्शा के लिए यूटर्न बना है। चालक अपनी सवारी

को यहीं उतारते हैं और फिर उसी यूटर्न से घूमकर दोबारा सवारी उठाने लगते हैं। इससे इस जगह पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। इसी तरह जीपीओ गोलंबर के चारों ओर भी इन वाहनों का अनियंत्रित संचालन देखा जा रहा है। कई ऑटो गोलंबर के किनारे सवारी के इंतजार में खड़े रहते हैं, जिससे सड़क का आधा हिस्सा कब्जे में चला जाता है। कंकड़बाग और हनुमान नगर जाने वाले ऑटो के लिए टाटा पार्क से परिचालन शुरू हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद कई चालक पाल होटल के सामने ही सवारी उठाने में लगे रहते हैं। टाटा पार्क से लाइन में इंतजार करना पड़ता है जबकि पाल होटल के पास वे मनमर्जी से सवारी भर लेते हैं। इससे वहां लगातार भीड़ और जाम की स्थिति बनी रहती है। स्टेशन गोलंबर पर भी हालात बदतर हैं। वीआईपी गाड़ियां गोलंबर के बिल्कुल किनारे खड़ी कर दी जाती हैं। पुलिस चालान काटने पहुंचती है तो थोड़ी बहस के बाद वाहनों को हटाया जाता है। मंगलवार को तीन-चार गाड़ियां गोलंबर से सटी हुई पार्क की गई थीं। इनमें से एक गाड़ी में पुलिस अफसर खुद बैठे थे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें वाहन हटाने को कहा तो उन्होंने तत्काल हटा दिया। इसी बीच, कई लोग अपनी बाइक को जंक्शन गोलंबर के आसपास जहां-तहां खड़ी कर खरीदारी या काम में लग जाते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने अभियान चलाकर एक दर्जन से अधिक बाइकों को जब्त किया और जुमार्ना वसूलने के बाद छोड़ा। नियमों के अनुसार ऑटो को मल्टी मॉडल हब के अंदर से ही सवारी लेकर बाहर निकलना है, लेकिन बड़ी संख्या में ऑटो और ई-रिक्शा हब के बाहर सड़क किनारे खड़े होकर जीपीओ गोलंबर तक सवारियाँ उठाते देखे जाते हैं। इससे सड़क पर अनावश्यक भीड़ और जाम की स्थिति बनती है। महावीर मंदिर के पास जंक्शन गेट पर भी यात्री गाड़ियाँ रोककर उतरने लगते हैं, जिससे पीछे वाहनों की लंबी लाइन लग जाती है। लोग अपनी गाड़ियाँ पार्किंग में लगाने से कतराते हैं और सड़क किनारे ही वाहन रोक देते हैं, जिसके कारण पूरा क्षेत्र जाम का केंद्र बन गया है। ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कोतवाली ओपी क्षेत्र में चार नए स्थानों पर पार्किंग को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। इनमें आयकर गोलंबर, नेहरू पथ, डाकबंगला चौराहा, बुद्ध मार्ग और इस्कॉन मंदिर के सामने का क्षेत्र शामिल है।

बिहार के सितामढ़ी में 7 हजार से अधिक हुई एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की संख्या

एजेंसी। सीतामढ़ी

बिहार के सीतामढ़ी जिले में एचआईवी संक्रमण के मामलों में विस्फोटक वृद्धि देखने को मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिले में एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की संख्या लगभग 7,400 तक पहुंच चुकी है। हर महीने लगभग 40-60 नए मामले सामने आ रहे हैं। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि इनमें 400 से अधिक नाबालिग बच्चे शामिल हैं। इस आंकड़े के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सदर अस्पताल के मेडिकल अफसर डॉक्टर हसीन अख्तर ने बताया कि यह स्थिति मुख्यतः माइग्रेट लोगों की अधिक संख्या के कारण है, जो काम के लिए दिल्ली, मुंबई और अन्य शहरों में जाते हैं। उन्होंने बताया कि सीतामढ़ी के एआरटी सेंटर से हर महीने करीब

5,000 मरीजों को दवा दी जा रही है, जबकि बाकी मरीज बिहार के बाहर अपना इलाज करवा रहे हैं। डॉक्टर हसीन अख्तर ने चेतावनी दी कि एचआईवी पॉजिटिव लोग निगेटिव लोगों से शादी न करें। उन्होंने कहा कि सरकार एड्स से बचाव और जागरूकता अभियान पहले से चला रही है, लेकिन इसके बावजूद जिले में एचआईवी मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में यह संक्रमण उनके माता-पिता से हुआ है। इसके मद्देनजर, जिला प्रशासन ने एआरटी सेंटर के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रमों को तेज करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, गांव-गांव जाकर एचआईवी परीक्षण किए जाने की योजना भी बनाई गई है।

बिहार के सरकारी अस्पताल से नवजात की चोरी, एसएनसीयू की सुरक्षा पर उठे सवाल

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहा अस्पताल प्रशासन

एजेंसी। पटना

बिहार के सुपौल सदर अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड से एक नवजात शिशु के रहस्यमय तरीके से गायब होने की सूचना से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। घटना सामने आते ही सिविल सर्जन डॉ ललन कुमार ठाकुर खुद मामले की जांच में जुट गए हैं और सीसीटीवी फुटेज खंगालने लगे हैं। अस्पताल परिसर में आज हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। दरअसल, मधुबनी के पीपराही निवासी एक दंपत्ति को 7 दिसंबर को निर्मली अस्पताल में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी। जन्म के बाद नवजात को उल्टी की शिकायत होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सुपौल के एसएनसीयू वार्ड में रेफर कर दिया था। सोमवार और मंगलवार की रात सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन आज सुबह स्थिति अचानक बदल गई। परिजन के अनुसार, आज सुबह बच्चे की नानी उसे दूध पिलाने के लिए वार्ड के बाहर लेकर आई थीं। कुछ ही देर बाद बच्चे के गायब होने की खबर फैल गई। परिजन पूरे अस्पताल परिसर में बच्चे की तलाश में भटकते रहे लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। सिविल सर्जन ललन ठाकुर ने बताया कि सुबह लगभग 10 बजे नानी द्वारा बच्चे को बाहर ले जाने का सीसीटीवी फुटेज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, लेकिन उसके बाद वह बच्चे को किस समय वार्ड में वापस लेकर गईं, इसका फुटेज अब तक सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि पूरी घटना की क्रमवार जांच की जा रही है और हर कैमरे के फुटेज को बारीकी से खंगाला जा रहा है ताकि गायब हुए नवजात का कोई सुराग मिल सके। वहीं पीड़ित परिजनों का कहना है कि नानी ने दूध पिलाने के तुरंत बाद बच्चे को वार्ड में मौजूद स्टाफ के हवाले कर दिया था। परिजनों का आरोप है कि नवजात की सुरक्षा के प्रति अस्पताल प्रशासन गंभीर नहीं था और इसी लापरवाही का नतीजा है कि आज उनका बच्चा लापता है। घटना ने सदर अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। खासकर एसएनसीयू वार्ड जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बिना कड़े सुरक्षा प्रबंधन के प्रवेश-निकास व्यवस्था को लेकर अब कई सवाल उठ रहे हैं। यह पहली बार है जब एसएनसीयू वार्ड से किसी नवजात के गायब होने की घटना सामने आई है, जिसने अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली और सुरक्षा मानकों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

विजय सिन्हा का एलान : सफेदपोश बनें भूमाफिया एक एक की होगी पहचान, अधिकारी भी हो जाए सावधान

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह भूमि एवं राजस्व विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि बिहार में बड़े पैमाने पर सफेदपोश लोग भूमाफिया बने हुए हैं। ऐसे में सभी लोगों की पहचान करके उनके ऊपर एक्शन लिया जाएगा। यह मेरी चेतावनी है कि ऐसे जो भी लोग हैं वह इस तरह का काम बंद कर दें वरना उनकी जगह सलाखों के पीछे होगी। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को भी चेतावनी दी है कि यदि कोई भी गलत काम का समर्थन करने में लगे हुए तो उनपर एक्शन होगा। विजय सिन्हा ने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और उनके नेतृत्व में बड़ी जिम्मेवारी मिली है। बिहार में काफी घनी आबादी आज के समय में भूमि सुधार को लेकर परेशान है। ऐसे में विभाग के तरफ से लगातार समीक्षा

के बाद इस समस्या के समाधान को लेकर ठोस कदम उठाया जा रहा है। अभी तक कई जिलों में भूमि से जुड़ें मामले को लेकर 46 लाख आवेदन मिले है। अब इन समस्याओं को दूर करने की कोशिश की जा रही है। भूमि विवाद का आवेदन देखना सरकार की जिम्मेदारी है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि दाखिल, खारिज और परिमार्जन में देरी के कारण लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पहली प्राथमिकता इन प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना होगी। इसके लिए सभी अधिकारियों और पदाधिकारियों की समय सीमा में काम की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, अनावश्यक आवेदन को रिजेक्ट करने की मानसिकता को त्यागना होगा, और अगर कोई आवेदन अस्वीकार किया जाता है, तो उसका पूरा कारण स्पष्ट रूप से बताया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कभी-कभी फर्जी कागजात के माध्यम से अकारण परिवाद दर्ज किए जाते हैं। इसे रोकने के लिए ह्यउड़ान दस्ताह्ल का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य किसी भी तरह की अनावश्यक देरी को रोकना और प्रक्रिया को तेज करना है। इस अभियान के तहत मार्च तक सभी विषय वस्तु को स्ट्रीमलाइन करने का लक्ष्य रखा गया है। हर आवेदन का निष्पादन अब समय सीमा के अंदर किया जाएगा। इसके लिए सभी अंचलाधिकारियों की सूची उनके संपर्क नंबरों के साथ जनता के सामने उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसी भी पीड़ित व्यक्ति को सीधे अधिकारियों से संपर्क करने की सुविधा मिलेगी। साथ ही, सभी अंचलों की निगरानी सीसीटीवी के माध्यम से की जाएगी, ताकि कोई भी कार्य लापरवाही का शिकार न बने। सरकार ने 12 दिसंबर से राज्य में भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम की भी घोषणा की है। इस कार्यक्रम में मंत्री और सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे, और आवेदन लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का तत्काल समाधान किया जाएगा। फजीर्वाड़ा करने वालों को पकड़ने और सही आवेदनकताओं को न्याय देने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अब कोई बहाना स्वीकार नहीं होगा। भूमि सुधार विभाग में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हर कदम उठाया जा रहा है। मार्च तक लंबित सभी मामलों को निपटाने के लिए विशेष टीमों और तंत्र तैयार किए जा रहे हैं। अब अधिकारी और पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन समय सीमा में करेंगे। भूमि सुधार में हो रही देरी और जटिलताओं को देखते हुए सरकार ने स्पष्ट किया कि सभी अंचलाधिकारियों की निगरानी सीसीटीवी और अन्य तकनीकी साधनों से की जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी मामला लंबित न रहे और सभी आवेदकों को न्याय मिले। उपमुख्यमंत्री ने साफ कहा कि जमीन से जुड़े मामलों में सफेदपोश के संरक्षण के कारण कई समस्याएं बढ़ी हैं। अब सरकार इस जड़ तक जाकर उन लोगों की पहचान करेगी जो भूमाफिया को संरक्षण देते हैं। जो सही हैं उन्हें न्याय मिलेगा, जबकि फजीर्वाड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया के तहत सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आवेदन की जांच, खारिज, परिमार्जन और निष्पादन सभी समय सीमा के भीतर हों। जनता को लंबे इंतजार से राहत मिलेगी और भूमि सुधार विभाग की कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी।बिहार सरकार ने साफ संकेत दिया है कि अब भ्रष्टाचार, देरी और बहानेबाजी की कोई जगह नहीं होगी। मार्च तक सभी लंबित मामलों का समाधान और भूमि सुधार प्रक्रिया का स्ट्रीमलाइन होना राज्य की प्राथमिकता में शामिल है।

एक नजर

जदयू नेता की गोली मारकर हत्या, आधा दर्जन बदमाशों ने डेरा में घेरकर मारी गोली

बेगूसराय। बेगूसराय जिले में अपराधियों के बढ़ते मनोबल का असर अब जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर भी साफ दिखाई दे रहा है। ताजा मामला छौड़ाही थाना क्षेत्र के पीर नगर गांव स्थित वार्ड 10 का है, जहां देर रात हथियारबंद अपराधियों ने जदयू के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष निलेश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और गांव में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। मृतक की पहचान रामबली महतो के 38 वर्षीय पुत्र निलेश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, निलेश रात में रोज की तरह खाना खाकर अपने मवेशियों के बथान पर सोने गए थे। रात करीब 12 बजे आधे दर्जन से अधिक हथियारबंद अपराधी वहां पहुंचे और बिना किसी बातचीत या कहासुनी के उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। तीन गोलियां लगने से निलेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर दौड़े, लेकिन तब तक अपराधी काफी दूर निकल चुके थे। स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार, निलेश कुमार की किसी से कोई सीधी दुश्मनी नहीं थी। वे पैसे से किसान थे और खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। अचानक हुई इस हत्या ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। मृतक के पिता रामबली महतो ने बताया कि निलेश का किसी भी व्यक्ति से तत्काल कोई विवाद नहीं चल रहा था। हालांकि, गांव में पहले जमीन को लेकर तनाव रहा था। वर्ष 2019 में इसी जमीन विवाद को लेकर मामला भी दर्ज हुआ था। परिजनों ने गांव के ही बृजेश कुमार और जयप्रकाश महतो सहित अन्य लोगों पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है।

ट्रैक पार करते समय हादसा, युवक की ट्रेन की चपेट में आकर मौत, मातम का माहौल

कैमूर। कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहुली गांव के पास एक दर्दनाक रेल हादसा हुआ। घटना में एक युवक अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। खेतों में काम कर रहे स्थानीय लोगों ने हादसे को अपनी आंखों से देखा और तुरंत इसकी सूचना गांव में फैला दी। देखते ही देखते घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मोहनिया थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि युवक ट्रैक पर कैसे पहुंचा और किस ट्रेन से दुर्घटना हुई। स्थानीय लोगों और पड़ोसियों के अनुसार, मृतक की पहचान चंदन पासवान के रूप में हुई है। चंदन पासवान का परिवार भीटी गांव का रहने वाला है। उनके पिता का नाम सतनारायण पासवान बताया गया है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। परिवार और गांव वाले सदमे में हैं और वे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचे हुए हैं। पड़ोसी राजगृही राम ने बताया कि पूरे परिवार और गांव वाले इस हादसे से गहरे दुखी हैं और उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि चंदन अब उनके बीच नहीं है। बरहुली गांव के लोग बताते हैं कि रेलवे ट्रैक पार करना यहां आम बात है। गांव वाले खेतों में काम करने या दूसरे गांव जाने के लिए अक्सर ट्रैक पार करते हैं। हालांकि, रेलवे ट्रैक के पास सुरक्षा उपायों की कमी के कारण ऐसी घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि ट्रैक के पास सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने भी गांव वालों से आग्रह किया है कि ट्रेन लाइन पार करते समय सावधानी बरतें।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सीएम आवास में समीक्षा बैठक, प्रगति यात्रा के कार्यों की समीक्षा

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सीएम आवास में राज्य की विकास योजनाओं और प्रगति यात्रा के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी जिलों के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपने-अपने जिलों में हुई प्रगति की जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि प्रत्येक जिले में निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं पर कड़ी निगरानी रखें। बैठक में उपमुख्यमंत्री और कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री भी मौजूद हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, जल संसाधन और ग्रामीण विकास जैसे विभागों के मंत्री अपने विभागों की योजनाओं की प्रगति और आने वाली चुनौतियों पर रिपोर्ट देंगे।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचना चाहिए

और शिकायतों का त्वरित निपटान भी आवश्यक है। उन्होंने जिलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और हर परियोजना की गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रगति यात्रा में मिली रिपोर्ट और फीडबैक पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने आगामी योजनाओं को और प्रभावी बनाने के कदम सुझाए। सभी जिलों को निर्देश दिया गया कि विकास कार्यों के साथ-साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने वाली नई पहल की जाए।ऑनलाइन जुड़ने वाले जिला अधिकारी अपने जिलों में चल रही परियोजनाओं, लाभार्थियों और आने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। अधिकारियों से कहा गया कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुसार सुधारात्मक कदम उठाएं और योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री की यह बैठक यह सुनिश्चित करने के लिए बुलाई गई है कि सभी परियोजनाओं का कार्य समय पर हो और प्रगति यात्रा के दौरान मिले सुझावों को ठोस कार्य योजना में बदला जाए। अधिकारियों को प्रत्येक जिले में निरंतर निगरानी और समय-समय पर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

दरिंदगी की हद ! युवक की गला रेतकर हत्या हाथ काटकर शव रेलवे ट्रैक किनारे फेंका

एजेंसी। पटना

सारण जिले में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि वे लगातार दिल दहला देने वाली घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। रिविलगंज थाना क्षेत्र के जखुंआ गांव में एक नृशंस वारदात सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। अज्ञात अपराधियों ने 25 वर्षीय युवक रोहित कुमार की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या की 残酷ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अपराधियों ने उसका एक हाथ भी काट डाला और शव को गांव से करीब 500 मीटर दूर रेलवे ट्रैक के किनारे फेंक दिया। मृतक की पहचान जखुंआ गांव निवासी शंभू राय के पुत्र रोहित कुमार के रूप में की गई है, जो दूसरे राज्य में वेल्डिंग का काम करता था। परिवार के अनुसार, रोहित 30 नवंबर को अपनी बहन की शादी में शामिल होने घर आया था। शादी की खुशियों के बीच किसी ने नहीं सोचा था कि रोहित की जिंदगी इस तरह खत्म हो जाएगी। घटना वाली रात बुधवार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल पर फोन कर उसे घर से बाहर बुलाया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा और सुबह उसकी लाश बरामद हुई। सुबह स्थानीय लोगों की नजर जब रेलवे ट्रैक किनारे पड़े शव पर पड़ी, तो गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते सैकड़ों लोग मौके पर जुटने लगे। घटना की सूचना रिविलगंज थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित किया। बेटे की दर्दनाक मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रोझरोकर बुरा हाल है। हत्या की बर्बरता से आक्रोशित ग्रामीणों ने छपराझसीवान मुख्य मार्ग को जखुंआ गांव के पास जाम कर दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। स्थानीय लोगों का कहना था कि इलाके में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन पुलिस सिर्फ औपचारिकता निभा रही है। जब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, शांतिपूर्ण माहौल वापस नहीं आएगा। ग्रामीणों ने मांग की कि मामले की त्वरित जांच हो और हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। इस दौरान सड़क के दोनों ओर लंबी वाहनों की कतारें लग गईं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

बिहार में भ्रष्टाचार के मामले में बड़ा एक्शन दो राजस्व कर्मी को नौकरी से किया बर्खास्त

एजेंसी। पटना

बिहार के पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन ने भ्रष्टाचार और सरकारी कार्यों में फजीर्वाड़े के दो पुराने मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो राजस्व कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। डीएम धर्मेंद्र कुमार ने ठकराहा और पिपरासी अंचल में तैनात दोनों कर्मियों की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। पहले मामले में, राजस्व कर्मचारी जगई राम को निगरानी विभाग ने 1 नवंबर 2017 को रामनगर अंचल में 5 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उन्होंने महुई निवासी शिकायतकर्ता रविकेश पांडेय से जमीन की रसीद काटने के लिए 10 हजार रुपये की अवैध मांग की थी। विभागीय जांच के दौरान जगई राम ने दावा किया कि उन्होंने गिरफ्तारी से एक दिन पहले, 31 अक्टूबर 2017 को ही रसीद काट दी थी और लिया गया पैसा लगान की बकाया राशि थी। जांच में यह दावा असत्य साबित हुआ, क्योंकि उसी तारीख को शिकायतकर्ता पटना के निगरानी कार्यालय में मौजूद थे। डीएम ने आरोप सिद्ध होने पर जगई

राम को सरकारी सेवा के अयोग्य मानते हुए बर्खास्त किया। वहीं दूसरे मामले में, पिपरासी में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी अब्दुल समद अंसारी पर बगहा-1 अंचल में कार्यरत रहने के दौरान 52 वर्षों की रसीद एक साथ काटने, सरकारी दस्तावेज फाड़ने और जमाबंदी में फजीर्वाड़ा करने के आरोप थे। सुनवाई में कई आरोप प्रमाणित पाए गए, जिसके बाद उन्हें भी सेवा से निष्कासित कर दिया गया। दोनों मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई के बाद जिले के सरकारी कर्मचारियों में हड़कंप मचा है। डीएम ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के किसी भी पुराने मामले में भी दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और किसी भ्रष्ट अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

मरीन ड्राइव, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और इनलैंड वाटरवे से होगा पूर्वी बिहार में बदलाव

- सरकार ने तैयार किया नए विकास का नक्शा

एजेंसी। पटना

पूर्वी बिहार का ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण जिला भागलपुर अब विकास और तामीरात के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। लंबे समय से विकास की राह पर कदम बढ़ाने की प्रतीक्षा कर रहा यह जिला अब बड़े पावर प्रोजेक्ट के बाद लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की तीन नायाब और अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिलने जा रही है। ये तीन परियोजनाएं हैं– मुंगेरझभागलपुर मरीन ड्राइव, सुल्तानगंज ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, और

हल्दिया से बनारस तक इनलैंड वाटरवे। अधिकारियों का कहना है कि इन परियोजनाओं के मुकम्मल होते ही भागलपुर पूरे पूर्वी बिहार का ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक और पर्यटन हब बनकर उभरेगा। भागलपुर के जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने बताया कि गंगा किनारे मुंगेर से भागलपुर तक 8500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला मरीन ड्राइव दो चरणों में पूरा होगा। यह परियोजना न केवल सड़क यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि गंगा तट के सुरम्य नजारे और पर्यटन को भी नई रफ़्तार देगी। भूमि अधिग्रहण को लेकर दोनों जिलों के प्रशासन से प्रस्ताव मांगे जा चुके हैं और बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। जिले के प्रशासन का मानना है कि मरीन ड्राइव पूरी होने के बाद यात्रियों और पर्यटन उद्योग को विशेष लाभ मिलेगा।सुल्तानगंज में बनने वाला ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट भी अब पूरी गंभीरता से जमीन पर उतरने को तैयार है। इस परियोजना के शुरूआती चरण के लिए 432.32 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उड़ान और लैंडिंग पाथ से जुड़ी तकनीकी रिपोर्टें मांगी हैं। अधिकारियों का कहना है कि एयरपोर्ट बनने के बाद धार्मिक पर्यटन, व्यापार और कनेक्टिविटी में जबरदस्त इजाफा होगा। सुल्तानगंज ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को धार्मिक और व्यापारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह न केवल स्थानीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए भी एक आसान कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इसी तरह हल्दिया से बनारस तक इनलैंड वाटरवे (IWD) का विकास कार्य भी तेजी से जारी है। IWD के रीजनल डायरेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि जलमार्ग के माध्यम से माल ढुलाई सस्ती होगी, सड़क यातायात का बोझ कम होगा, नदी किनारे कटाव को रोका जा सकेगा और गर्मी के मौसम में जलसंकट पर काबू पाया जा सकेगा। इस परियोजना से व्यापार और पर्यटन दोनों में नई जान आने की पूरी संभावना है। जलमार्ग परियोजना के जरिए न केवल माल परिवहन में लागत कम होगी, बल्कि नदी किनारे बसे गांवों के विकास में भी मदद मिलेगी। भागलपुर के विकास के लिए ये तीन परियोजनाएं अत्यंत अहम मानी जा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि मरीन ड्राइव, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और इनलैंड वाटरवे के मुकम्मल होने के बाद भागलपुर पूर्वी बिहार का प्रमुख ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक हब बन जाएगा।

पूर्वी चंपारण : बेलगाम पिकअप ने 13 साल की बच्ची को रौंदा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

एजेंसी। पटना

पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। घोड़ासहन रेलवे ढाला रोड पर तेज रफ्तार से आ रही एक पिकअप वाहन ने 13 वर्षीय मासूम बच्ची को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान घोड़ासहन वार्ड नंबर 3, हनुमान नगर निवासी पप्पू धनकार की बेटी गीता कुमारी के रूप में की गई है। घटना दोपहर की है, जब गीता जलावन चुनकर घर वापस लौट रही थी। जैसे ही वह रेलवे ढाला रोड के पास पहुंची, अचानक तेज गति से आ रही पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गीता गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही घोड़ासहन पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और पूरा हनुमान नगर शोक में डूबा हुआ है। पुलिस ने मौके से पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि हादसे के समय वह नशे में था या लापरवाही से वाहन चला रहा था।

भारत और दक्षिण अफ्रीका दूसरा टी 20 आज

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज का विजयी आगाज किया है। पहला मैच भारत ने 101 रनों के बड़े अंतर से जीतने में कामयाबी हासिल की। साउथ अफ्रीका की टीम भारत की बल्लेबाजी के सामने टिक ही नहीं पाई। अब बारी दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच की है। टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला कब और कहां खेला जाएगा। इसकी जानकारी हम आपको देंगे, क्योंकि दूसरे मैच में ज्यादा वक्त नहीं है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को खेला जाएगा। यानी पहले और दूसरे मैच में केवल एक ही दिन का गैप है। ये मैच महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम मल्लानपुर में खेला जाएगा। इस वक्त उत्तर भारत में काफी सर्दी हो रही है। ये मैच शाम को होगा, उस वक्त तक मौसम काफी सर्द हो जाता है। ऐसे में देखना होगा कि इतने कम तापमान में भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारतीय टीम नए वेन्यू पर पहुंच भी रही है। ये मैच भी शाम को सात बजे से शुरू होगा। यानी इससे ठीक आधे घंटे पहले साढ़े छह बजे टॉस होगा और सात बजे पहली बॉल डाल दी जाएगी। वैसे पहला मैच तो पूरा हो ही नहीं पाया, क्योंकि साउथ अफ्रीका की टीम पहले ही आउट हो गई थी, लेकिन अगर पूरा मैच हुआ भी तो 11 बजे तक खत्म हो जाएगा। खास बात ये है कि समय में कोई बदलाव नहीं है, इसलिए आपको अपने टाइम टेबल में कुछ भी हेरफेर नहीं करना पड़ेगा। भारतीय टीम ने भले ही सीरीज का पहला मुकाबला आसानी से जीत लिया हो, लेकिन ऐसा नहीं है कि साउथ अफ्रीका की टीम कमजोर है। साउथ अफ्रीका की टीम वापसी करने और फाइटबैक की पूरी कोशिश करेगी। ऐसे में भारतीय टीम और कप्तान सूर्यकुमार यादव को तैयार रहना होगा। भारत की इस जीत के बाद भी कुछ कमियां पता चली हैं, जिन पर टीम को काम करना पड़ेगा, तभी दूसरे मैच में भी जीत हासिल हो पाएगी। देखना होगा कि दोनों टीमें कैसा प्रदर्शन करती हैं।

शाम को सात बजे शुरू होगा भारत बनाम साउथ अफ्रीका दूसरा टी20 मैच

भारतीय टीम नए वेन्यू पर पहुंच भी रही है। ये मैच भी शाम को सात बजे से शुरू होगा। यानी इससे ठीक आधे घंटे पहले साढ़े छह बजे टॉस होगा और सात बजे पहली बॉल डाल दी जाएगी। वैसे पहला मैच तो पूरा हो ही नहीं पाया, क्योंकि साउथ अफ्रीका की टीम पहले ही आउट हो गई थी, लेकिन अगर पूरा मैच हुआ भी तो 11 बजे तक खत्म हो जाएगा। खास बात ये है कि समय में कोई बदलाव नहीं है, इसलिए आपको अपने टाइम टेबल में कुछ भी हेरफेर नहीं करना पड़ेगा।

वापसी को यादगार नहीं बना सके गिल

भारत ने पहले टी20 में वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, संजू सैमसन और हर्षित राणा को बाहर रखा था। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी सैमसन को बाहर रखने पर हुई थी जिनकी जगह जितेश शर्मा को तरजीह दी गई। सैमसन कुछ समय पहले तक नियमित रूप से टी20 टीम का हिस्सा थे और अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे थे, लेकिन शुभमन गिल के आने से उन्हें मध्य क्रम में बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा जहां वह सफल नहीं हुए। पहले टी20 से गिल ने चोट के बाद वापसी की, लेकिन वह इसे यादगार नहीं बना सके और चार रन बनाकर आउट हुए। गिल पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गिल के पहले ही ओवर में विकेट गंवाने से भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा था। उनसे दूसरे टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने की आस होगी। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है...

भारत : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह।

दक्षिण अफ्रीका : क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), एडेन मार्करम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवान फेरेरा, मार्को यानसेन, केशव महाराज, लुथो सिपाम्ला, लुंगी एनगिडी, एनरिच नॉर्त्जे।

एक नजर

सनराइजर्स की तरफ से आगामी सीजन में खेलेंगे हैरी ब्रूक, मिलेंगे इतने करोड़ रुपये

नई दिल्ली। इंग्लैंड में खेली जानी वाली फ्रेंचाइजी आधारित 100 गेंदों के टूर्नामेंट द हंड्रेड में हैरी ब्रूक इस लीग के इतिहास में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। इंग्लैंड टीम के लिमिटेड ओवर्स कप्तान हैरी ब्रूक जो द हंड्रेड में नॉर्दन सुपरचार्जर्स की तरफ से खेलते हैं, उस टीम के 100 फीसदी शेयर सन ग्रुप ने खरीद लिए हैं, जिसके बाद अगले साल होने वाले सीजन टीम बदले हुए नाम सनराइजर्स लीड्स से मैदान पर खेलने उतरेगी, जिसमें उन्होंने हैरी ब्रूक को रिटेन करने के लिए पिछले कई दिनों से चल रही बातचीत के बाद अब 470,000 पाउंड स्टर्लिंग में रिटेन करने का फैसला लिया है। द हंड्रेड के आगामी सीजन से पहले सभी 8 फ्रेंचाइजियों को कुल 4 खिलाड़ियों को रिटेन करने का मौका दिया गया है। सनराइजर्स लीड्स इस मामले में काफी तेजी दिखा रही है, जिसमें ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने हैरी ब्रूक को 5.62 करोड़ रुपये में रिटेन करने का फैसला लिया है और वह टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी को आगे भी संभालना जारी रख सकते हैं। ब्रूक ने द हंड्रेड में साल 2021 में इस फ्रेंचाइजी की तरफ से खेलना शुरू किया था, जिसमें उन्होंने साल 2024 के सीजन में कप्तानी की जिम्मेदारी को संभाला था। हैरी ब्रूक के अलावा सनराइजर्स लीड्स ने इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और ऑस्ट्रेलिया टीम के टी20 कप्तान मिचेल मार्श को भी अपने साथ अगले सीजन के लिए जोड़ने का फैसला लिया है।

शादी टूटने के बाद स्मृति मंधाना पहली बार पब्लिक-इवेंट में दिखीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना शादी टूटने के बाद पहली बार किसी पब्लिश इवेंट में नजर आईं। उन्होंने बुधवार को नई दिल्ली के भरत मंडपम में आयोजित एक निजी इवेंट में हिस्सा लिया। मंधाना ने अपनी मैनेजर नूपुर कश्यप और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को गले लगाया। कार्यक्रम में मंधाना ने कहा- 'मुझे क्रिकेट से ज्यादा कुछ भी पसंद नहीं है। भारतीय जर्सी पहनने से मोटिवेशन मिलता है और सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं।2 दिन पहले मंधाना ने इंस्टा पोस्ट करके पलाश मुछाल के शादी टूटने की जानकारी दी थी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी।क सवाल पर मंधाना ने कहा- 'क्रिकेट ने मुझे दो बातें सिखाई हैं। पहली- हर दिन की शुरूआत शून्य से होती है और दूसरी- अपने नहीं, अपनी साथ खिलाड़ियों के लिए खेलो।' उन्होंने कहा- 'वर्ल्ड कप में हमने तय किया था कि किसी को खुद के लिए नहीं खेलना, बल्कि अपने बगल वाले खिलाड़ी के लिए खेलना है। इससे दबाव कम होता है और ऊर्जा बढ़ती है।

भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी हुड्डा-तन्वी और किरण प्री क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 टूनामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और थारुन मन्नेपल्ली के साथ भारत के अन्य बैडमिंटन खिलाड़ी एकल वर्ग में प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। महिला एकल में उन्नति ने संयुक्त अरब अमीरात की पी भरत को 21-12, 21-18 से हराकर अपने अभियान की शुरूआत की। छठी वरीय अनमोल खरब ने थाईलैंड की वाई केटक्लिएंग पर 21-17, 19-21, 23-21 से जीत हासिल की, जबकि तीसरी वरीय तन्वी शर्मा ने जापान की आइका इवाकी को 21-8, 17-21, 21-18 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय को इंडोनेशिया की डालिला अघनिया पुटेरी को 21-14, 21-13 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। पुरुषों के एकल ड्रॉ में भी वरीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मन्नेपल्ली ने मानव चौधरी को 21-5, 21-8 से जबकि दूसरे वरीय किरण जॉर्ज ने राजेश श्रीकर को 21-12, 21-13 से आसानी से हराया।चौथे वरीय प्रियांशु राजावत को सनीथ दयानंद ने कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 21-19, 14-21, 21-13 से जीत हासिल की। सातवें वरीय एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने दर्शन पुजारी को 21-19, 23-21 से हराया और आठवें वरीय ऋत्विक संजीवी सतीश कुमार ने नुमैर शेख पर सीधे गेम में जीत हासिल की। गोविंद कृष्णा, ओरिजित चालिहा, सिद्धांत गुप्ता, रौनक चौहान, वरुण कपूर, आर्या भीवपाठकी ने भी अपने मैच जीते जबकि एआर रोहन कुमार ने छठे वरीय मनराज सिंह को 21-6, 21-12 से हराया।

आकर्षि कश्यप भी जीतीं

महिलाओं के दूसरे एकल मैचों में अदिति भट्ट, अदिति राव और इशरानी बरुआ ने जीत दर्ज की। आकर्षि कश्यप ने चीनी ताइपे की यी एन हसीह पर 21-9, 21-10 से शानदार जीत दर्ज की। वहीं आठवीं वरीय श्रेयांशी वलीशेट्टी ने अलीशा नाइक को 21-17, 21-12 से हराया। टी हेमंत और तस्नीम मीर ने तीन गेम की कड़ी मेहनत के बाद जीत हासिल की।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को हराया, कांस्य जीता, नौ साल बाद मिला पदक

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत ने लखनऊ में 2016 में इस टूनार्मेंट का खिताब जीता था, लेकिन टीम पिछले दो संस्करणों में पोडियम फिनिश करने में असफल रही थी। इस तरह नौ साल बाद भारतीय पुरुष टीम को जूनियर हॉकी विश्व कप में पदक मिला है। भारत के लिए अंकित पाल (49वें मिनट), मनमीत सिंह (52वें मिनट) और अनमोल एक्का (58वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए, जबकि शारदा नंद तिवारी ने 57वें मिनट में गोल दागा। पहले दो क्वार्टर में अर्जेंटीना की टीम मजबूत नजर आ रही थी और भारतीय टीम गोल करने के लिए संघर्ष कर रही थी। अर्जेंटीना के लिए निकोलस रॉड्रिग्ज ने तीसरे और सांतियागो फर्नांडेज ने 44वें मिनट में गोल दागा। भारत ने दो बार इस टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016 में चैम्पियन रही, लेकिन टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था। पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारत फाइनल में पिछड़ रहा था, लेकिन आखिरी 11 मिनट में चार गोल करके भारत ने 2021 की चैंपियन अर्जेंटीना को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में हराया। तीन क्वार्टर तक दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर में दनादन चार गोल करके खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मानो जान फूंक दी। पहले 49वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अंकित ने गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। वहीं, 52वें मिनट में भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर अनमोल के शॉट पर गेंद डिफ्लैक्ट होकर मनमीत की स्टिक से टकराकर गोल के भीतर गई। स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद लग रहा था कि मैच शूटआउट में जाएगा, लेकिन आखिरी सीटी बजने से तीन मिनट बाकी रहते भारत को अहम पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे शारदा नंद तिवारी ने गोल में बदलकर पहली बार भारत को बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना को अगले मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस टूनार्मेंट की खोज रहे गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। भारत को 58वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अनमोल ने गोल में बदला और टीम को शानदार जीत दिलाई।

मेसी को लगातार दूसरी बार एमएलएस का चुना गया सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी। नई दिल्ली

इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही।एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेसी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया।मेसी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था। स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह को टीम से बाहर किए जाने के बावजूद लिवरपूल ने पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर चैंपियंस लीग फुटबाल टूनार्मेंट में इंटर मिलान को 1-0 से हराकर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की। बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने भी शानदार वापसी करते हुए जीत का जश्न मनाया, जबकि चेल्सी को हार का सामना करना पड़ा। लिवरपूल की तरफ से नियमित पेनल्टी लेने वाले सालाह के टीम से बाहर होने के कारण डोमिनिक स्जोबोस्जलाई को यह भूमिका निभानी पड़ी। उन्होंने हालांकि टीम को निराश नहीं किया और 88वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके प्रतियोगिता में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल इंटर मिलान के विजय अभियान पर रोक लगाई। लिवरपूल के लिए यह जीत महत्वपूर्ण थी क्योंकि वह सभी प्रतियोगिताओं में पिछले छह मैचों में केवल एक मैच में ही जीत हासिल कर पाया था। इस जीत से टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है और राउंड ऑफ 16 में सीधे प्रवेश करने की दौड़ में शामिल हो गई है। इंटर मिलान पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बायर्न म्यूनिख के 17 वर्षीय मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल ने चैंपियंस लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे उनकी टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन पर 3-1 से जीत हासिल की। इससे बायर्न आर्सेनल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। कार्ल ने चैंपियंस लीग के चार मैचों में तीसरा गोल किया। स्पोर्टिंग को जोशुआ किमिच के आत्मघाती गोल से बढ़त मिलने के बाद बायर्न ने 12 मिनट में तीन गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया। सर्ज ग्नाब्री ने 65वें मिनट में बायर्न के लिए बराबरी का गोल दागा। इसके बाद 69वें मिनट में कार्ल ने और 77वें मिनट में डिफेंडर जोनाथन टाह ने गोल किए। चेल्सी को लगभग तीन महीने में पहली बार चैंपियंस लीग में हार का सामना करना पड़ा। उसे अटलांटा ने 2-1 से हराया। एक अन्य मैच में बार्सिलोना ने जूल्स कौंडे के तीन मिनट के अंदर के गए दो गोल की मदद से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आइंट्राक्ट फ्रैंकफर्ट पर 2-1 से जीत हासिल की।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के डेलिगेशन ने पाकिस्तान में सिक्योरिटी चेक किया

एजेंसी। नई दिल्ली

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान दौरे से पहले एक डेलिगेशन लाहौर भेजा है। जोकि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है। इसमें एक स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकार और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का एक अधिकारी शामिल है। डेलिगेशन लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और उस होटल जाएंगे, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम ठहरेगी। वे ढउइ अधिकारियों तथा सरकारी और सुरक्षा प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे।ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले साल की शुरूआत में पाकिस्तान का दौरा करेगी। टीम वहां 2 चरणों में सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगा। पहले चरण में जनवरी में तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। हालांकि, ढउइ ने सीरीज का शेड्यूल जारी नहीं किया है।11 नवंबर को इस्लामाबाद में एक कोर्ट के बाहर आत्मघाती हमला हुआ था। इस हमले के बाद श्रीलंकाई टीम के आधे से ज्यादा खिलाड़ी ने 13 नवंबर को वनडे मैच खेलने से मना कर दिया था। बाद में गृहमंत्री मोहसिन नवकी और आसिम मुनीर के सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के बाद मैच खेला गया।ऑस्ट्रेलिया अगले साल मार्च में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए फिर से पाकिस्तान का दौरा करेगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि वनडे सीरीज को फिलहाल स्थगित किया जा सकता है और इसका आयोजन 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले किसी समय हो सकता है। 3 साल पहले 21 सितंबर 2021 को न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज रद्द कर रही थी। टीम संभावित आतंकवादी हमले की खुफिया सूचना मिलने के बाद बिना कोई मैच खेले ही स्वदेश लौट गई थी।16 साल पहले श्रीलंकाई क्रिकेटर्स की टीम बस पर हमला हुआ था। मार्च 2009 में टीटीपी आतंकवादियों ने गद्दाफी स्टेडियम के पास टीम की बस पर गोलियां चलाई थी। इसमें किसी की जान तो नहीं गई थी, लेकिन कुछ खिलाड़ी घायल हुए थे।